देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इन्दौर
सत्र् 2015–16 से प्रभावशील
एम0ए0 संस्कृत
प्रथम प्रश्नपत्र – वेद
प्रथम सेमेस्टर

इकाई–1 ऋग्वेद--सूक्त कुल 85+15 सी.सी.ई

1. अग्नि 1.1
2. इन्द्र 2.12
3. विश्वामित्र–नंदी संवाद–3.33
4. वाक् 10.125
5. पर्जन्य 5.83

उपर्युक्त मंत्रो में से किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या 17

इकाई–2 ऋग्वेद सूक्त

1. हिरण्यगर्भ 10.121
2. नासदीय 10.129
3. पुरुष 10.90
4. कितव 10.34

उपर्युक्त मंत्रो में से किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या 17

इकाई–3 यजुर्वेद तथा अथर्ववेद के सूक्त–

1. शिवसङ्.कल्प 34.1–60
2. योगक्षेम 22.22
3. साम्मनस्य 3.30
4. राष्ट्राभिवर्धनम् 1.29

उपर्युक्त मंत्रों में से किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या 17

इकाई–4 ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद्–

1. वाक् मनस् संवाद शतपथ ब्राह्मण 1.4.5.89.13
2. पुरुषविभूति – ऐतरेय आरण्यक ।।.1.7
3. पंच महायज्ञ –तैत्तरीय आरण्यक ।।.10
4. ईशावास्योपनिषद्

उपर्युक्त से संबंधित कोई चार सामान्य प्रश्न अथवा टिप्पणियॉ प्रष्टव्य है, जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर देय होगा । 17

इकाई–5 वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय – वैदिक संहिता,ब्राह्मण,आरण्यक तथा उपनिषद ।

आन्तरिक विकल्प सहित एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियॉ प्रष्टव्य है । 17

अनुशंसित ग्रन्थ–1–न्यू वैदिक सिलेक्शन मास्टर भाग–2 ब्रजबिहारी चौबे,भारतीय विद्या प्रकाशन

2–वैदिक साहित्य एवं सस्कृति–आचार्य बलदेव उपाध्याय

3– वैदिक साहित्य का इतिहास – आचार्य कपिलदेव द्विवेदी

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र – वेदांग

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 निरुक्त–प्रथम अध्याय (यास्क कृत) 17
(व्याख्या एवं निर्वचन)

इकाई–2 निरुक्त– द्वितीय अध्याय (यास्क कृत) 17
(व्याख्या एवं निर्वचन)

इकाई–3 ऋक्प्रातिशाख्य प्रथम पटल 17
(व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)

इकाई–4 पाणिनीय शिक्षा 17
(व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)

इकाई–5 षड्वेदांगो का सामान्य परिचय 17
(किन्हीं दो पर टिप्पणी)

ध्यातव्य :– प्रत्येक इकाई से आप्तरिक विकल्प सहित प्रश्न प्रष्टव्य हैं ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. निरुक्त (यास्ककृत)– उमाशंकर शर्मा ऋषि।
2. पाणिनीय शिक्षा–डॉ0 कमला प्रसाद पाण्डेय।
3. ऋक् प्रातिशाख्य–डॉ0 वी0के0 वर्मा।
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति– आचार्य बलदेव उपाध्याय।

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र –पालि, प्राकृत तथा भाषाविज्ञान

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 पालि साहित्य (पालि,प्राकृत,अपभ्रंश संग्रह) 17

बावेरू जातकम्, धम्मपदसंगहो, मायादेवियासुपिनं, तथा महाभिनिक्खमनम्।
किसी एक पाठ्यांश की व्याख्या 07
किसी एक पाठ्यांश की संस्कृत छाया /अनुवाद 05
समीक्षात्मक प्रश्न 05

इकाई–2 प्राकृत साहित्य (पालि,प्राकृत,अपभ्रंश संग्रह) 17
गिरिनार अभिलेख, खारवेलस्य हाथीगुम्फा
गुहाभिलेख, गाहासत्तसई, कर्पूरमंजरी, तथा अभिज्ञानशांकुतलम्
किसी एक पाठ्यांश की व्याख्या 07
किसी एक पाठ्यांश की संस्कृत छाया/अनुवाद 05
समीक्षात्मक प्रश्न 05

इकाई–3 भारतीय भाषाशास्त्रीयचिंतन 17
आचार्य पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, तथा भट्टोजिदीक्षित का भाषाशास्त्रीय योगदान ।
समीक्षात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणियॉ ।

इकाई–4 भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान की शाखाएं, 17
भारोपीय भाषा परिवार, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं (पालि, प्राकृत, तथा अपभ्रंश)

इकाई–5 ध्वनिविज्ञान–(वाग् यन्त्र, ध्वनिपरिवर्तन, ध्वनि–वर्गीकरण)
अर्थविज्ञान(अर्थावबोध– संकेतग्रहण, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ)
वाक्य विज्ञान– (वाक्य का स्वरूप एवं प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. पालि– प्राकृत–अपभ्रंश संग्रह– रामअवध पाण्डेय। विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
2. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी ।
3. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका– डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र – काव्य

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 मेघदूतम् (पूर्वमेघ) (दो पद्यों की व्याख्या/प्रश्न) 17

इकाई–2 मेघदूतम (उत्तरमेघ) (दो पद्यों की व्याख्या/प्रश्न) 17

इकाई–3 कुमारसंभवम्– पंचम सर्ग (दो पद्यो की व्याख्या) 17

इकाई–4 कुमारसंभव काव्य पर समीक्षात्मक प्रश्न 17

इकाई–5 संस्कृत कथा–काव्यों का सामान्य परिचय –
हितोपदेश,पंचतंत्र,वृहत्कथा,कथासरित्सागर,शुकसप्तति, वेतालपंचविशति तथा अन्य कथा–काव्य । 17

अनुशंसित ग्रन्थ

1. मेघदूतम्– कालिदासकृत
2. कुमारसंभवम – कालिदासकृत
3. महाकवि कालिदास – रमाशंकर तिवारी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. कालिदासः अपनी बात – डॉ0 रेवाप्रसाद द्विवेदी
6. संस्कृत साहित्य का अथ्भनव इतिहास–डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी

द्वितीय सेमेस्टर
भारतीय दर्शन प्रथम प्रश्न पत्र

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 तर्कभाषा – केशवमिश्रकृत (प्रामाण्यवाद पर्यन्त) 17
आन्तरिक विकल्प सहित व्याख्या/प्रश्न

इकाई–2 वेदान्तसार –सदानन्दकृत 17
आन्तरिक विकल्प सहित व्याख्या/प्रश्न

इकाई–3 समालोचना 17
1. तर्कभाषा– 09
2. वेदान्तसार– 08

इकाई–4 जैनदर्शन का परिचयात्मक अध्ययन 17

इकाई–5 परिचयात्मक अध्ययन 17
1. बौध्द दर्शन – 09
2. चार्वाक दर्शन – 08

ध्यातव्य – तृतीय,चतुर्थ तथा पंचम इकाई से आन्तरिक विकल्प सहित एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियाँ प्रष्टव्य है ।

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. तर्कभाषा – केशव मिश्रकृत – आचार्य विश्वेश्वर
2. वेदान्तसार– सदानन्दकृत– संपादक – रमाशंकर तिवारी
3. भारतीय दर्शन– वाचस्पति गैरोला
4. भारतीय दर्शन– डॉ0 राधाकृष्णन
5. भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र–सांख्य एवं मीमांसा दर्शन

कुल अंक 85+ 15

इकाई–1 सांख्यकारिका– ईश्वरकृष्णकृत 17
(आन्तरिक विकल्प सहित दो कारिकाओं की व्याख्या)

इकाई–2 सांख्यकारिका पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

इकाई–3 मीमांसादर्शन – अर्थसंग्रह – श्री लौंगाक्षिभास्कर कृत 17
(आन्तरिक विकल्प सहित कोई दो व्याख्या)

इकाई–4 अर्थसंग्रह पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

इकाई–5 परिचयात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन 17
1. योगदर्शन – 09
2. वैशेषिक दर्शन – 08

अनुणंसित ग्रन्थ –

1. सांख्यकारिका संपादक डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र, इलाहाबाद
2. सांख्यकारिका– संपादक डॉ0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी दिल्ली
3. अर्थसंग्रह – संपादक पं. शोभित मिश्र चौखम्बा संस्कृत सीरिज वाराणसी
4. भारतीय दर्शन – वाचस्पति गैरोला
5. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय दर्शन– डॉ0 उमेश मिश्र
7. सर्वदर्शनसंग्रह –

द्वतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र–काव्यशास्त्र

कुल अंक 85 + 15 सी.सी.ई

इकाई–1 प्रमुख काव्यशास्त्रीय चिन्तक एवं सिद्धांत 17

(आन्तरिक विकल्प सहित एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियॉ)

इकाई–2 काव्यप्रकाश – प्रथम एवं द्वितीय उल्लास 17

इकाई–3 काव्यप्रकाश– चतुर्थ उल्लास (रसभेद पर्यन्त 17

इकाई–4 काव्य प्रकाश– पंचम उल्लास 17

इकाई–5 काव्यप्रकाश–सप्तम उल्लास (मात्र रसदोष) तथा अष्टम उल्लास 17

ध्यातव्य – इकाई द्वितीय,तृतीय,चतुर्थ तथा पंचम से आन्तरिक विकल्प सहित व्याख्या एवं प्रश्न दोनों प्रष्टव्य है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाश (मम्मटकृत) – व्याख्याकार – आचार्य विश्वेश्वर
2. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 सत्यदेव चौधरी
3. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ0 गणेश त्र्यंबक देशपाण्डे
4. काव्य प्रकाश(मम्मटकृत) –संपादक– बामनाचार्य मालवीकर

द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र–अर्वाचीन संस्कृत साहित्य

कुल अंक 85 + 15 सी.सी.ई

इकाई–1 विवेकानन्द विजय नाटकम् – श्रीधर भास्कर वर्णेकर 17

इकाई–2 भावमाला – डॉ. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी 17

इकाई–3 इक्षुगन्धा – डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र 17

इकाई–4 इकाई प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय से समालोचनात्मक प्रश्न 17
(एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियॉ)

इकाई–5 (अ) 19 वी शताब्दी का संस्कृत साहित्य 05

(आ) 20 वी शताब्दी का संस्कृत साहित्य 05

(इ) संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं का परिचय 07

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. विवेकानन्द विजय नाटकम् – श्रीधर भास्कर वर्णेकर
2. भावमाला – डॉ. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी
3. इक्षुगन्धा – डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र
4. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी

5. आधुनिक संस्कृत साहित्य – डॉ. हीरालाल शुक्ल
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – वाचस्पति गैरोला
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास – पाण्डे एवं व्यास

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–व्याकरण एवं निबन्ध

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

ङ

इकाई–1 संज्ञा प्रकरण – सिद्धान्त कौमुदी	17
इकाई–2 कारक प्रकरण सिद्धान्त कौमुदी (प्रथमा से तृतीया पर्यन्त)	17
इकाई–3 कारकप्रकरण – सिद्धान्त कौमुदी (चतुर्थी से सप्तमी तक)	17
इकाई–4 सिद्धान्त कौमुदी	17

कृदन्त – कृत् प्रत्यय
तद्धित – मत्वर्थीय,प्रत्यय
स्त्री प्रत्यय – टाप्,तथा ङीप्

इकाई–5 संस्कृत में निबन्ध	17

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. सिद्धान्त कौमुदी – तत्त्वबोधिनी टीका
2. सिद्धान्त कौमुदी – पं. बालकृष्ण पंचोली
3. वृहद् अनुवादचन्द्रिका – चक्रधरहंस नौटियाल

तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र–नाट्यशास्त्र

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 प्रमुख नाट्यशास्त्रीय ग्रंथ एवं चिन्तक	17
इकाई–2 भरतमुनि कृत नाट्यशास्त्र – द्वितीय अध्याय	17
इकाई–3 भरतमुनि कृत नाट्यशास्त्र – षष्ठ अध्याय	17
इकाई–4 धनंजय कृत दशरूपक – प्रथम प्रकाश (संधिभेद रहित)	17
इकाई–5 धनंजय कृत दशरूपक – द्वितीय एवं तृतीय प्रकाश (नायक और नायिका भेद, रूपक के प्रकार)	17

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. नाट्यशास्त्र – संपादक – बाबूलाल शुक्ल
2. नाट्यशास्त्र – वृहदकोश – डॉ0 राधावल्लभ त्रिपाठी
3. दशरूपक – संपादक – भोलाशंकर व्यास
4. दशरूपक – संपादक – श्रीनिवास शास्त्री
5. भारतीय काव्यशास्त्रकोश – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद
6. संस्कृत आलोचना – डॉ0 बलदेव उपाध्याय

तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र – रूपक

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 मृच्छकटिकम् नाटक (प्रथम से चतुर्थ अंक तकदो पद्यों की व्याख्या) 17
इकाई–2 वेणीसंहारम् नाटक(प्रथम से चतुर्थ अंक तकदो पद्यों की व्याख्या) 17
इकाई–3 प्रथम एवं द्वितीय इकाई में निर्धारित नाट्यकृतियों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न 17
इकाई–4 रत्नावली – नाटिका
एक पद्य की व्याख्या 10
समीक्षात्मक प्रश्न 7
इकाई–5 प्रमुख संस्कृत नाट्यकृतियों का परिचय 17
प्रश्न अथवा टिप्पणी

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. शूद्रककृत् मृच्छकटिकम् – सम्पादक – रमाशंकर तिवारी
2. भट्ट नारायण कृत – वेणीसंहारम्
3. हर्ष कृत – रत्नावली
4. संस्कृत नाटक – ए.बी. कीथ
5. संस्कृत नाटक – कान्तकिशोर भरतिया
6. संस्कृत कविदर्शन – भोलाशंकर व्यास
7. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्यबलदेव उपाध्याय

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र–गद्य तथा चम्पू काव्य

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 कादम्बरी – महाश्वेता वृत्तान्त दो गद्यांशों की व्याख्या 17
इकाई–2 कादम्बरी पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

इकाई–3 नलचम्पू काव्य – प्रथम उच्छ्वास 17
(एक गद्य तथा एक पद्य की व्याख्या)
इकाई–4 नलचम्पू पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17
इकाई–5 गद्य और चम्पू काव्यों का उद्भव एवं विकास 17
प्रश्न अथवा टिप्पणी

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. कवि बाण भट्ट कृत – कादम्बरी
2. त्रिविक्रम भट्ट कृत – नल चम्पू
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डा. राधावल्लभ त्रिपाठी

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–महाकाव्य

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 शिशुपालवधम् (महाकवि माघकृत)– प्रथमसर्ग
(किन्हीं दो पद्यो की व्याख्या) 17
इकाई–2 नैषधीयचरितम् (महाकवि श्रीहर्ष कृत) – प्रथम सर्ग
(किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या) 17
इकाई–3 इकाई प्रथम एवं द्वितीय पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17
इकाई–4 रघुवंशम् (महाकवि कालिदास कृत) – त्रयोदश सर्ग 17
किसी एक पद्यं की व्याख्या एवं प्रश्न (7+10)
इकाई–5 संस्कृत महाकाव्यों का स्वरूप, उद्भव और विकास
प्रश्न अथवा टिप्पणियां 17

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. संस्कृत कविदर्शन – डॉ0 भोलाशंकर व्यास
2. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्य बलदेव उपाध्याय

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र–साहित्यशास्त्र

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई – एक : काव्यालंकार भामह–प्रथम परिच्छेद 17
व्याख्या / प्रश्न कोई दो
इकाई – दो : काव्यालंकार सूत्रवृत्ति– प्रथम अधिकरण 17

व्याख्या / प्रश्न कोई दो

इकाई – तीन : साहित्य दर्पण – प्रथम परिच्छेद 17

व्याख्या / प्रश्न कोई दो

इकाई – चार : ध्वन्यालोक – प्रथम उद्योत 17

व्याख्या / प्रश्न कोई दो

इकाई – पाँच : काव्यप्रकाश नवम तथा दशम उल्लास

अलंकारो के लक्षण एवं उदाहरण (कोई दो) अनुप्रास,यमक,उपमा(भेद सहित) रूपक,निदर्शना,अपन्हुति,विभावना,विशेषोक्ति ,उत्प्रेक्षा, आनन्वय, व्यतिरेक,दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति,दीपक,विरोध,परिकर,संकर तथा संसृष्टि । 17

(किन्हीं अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण)

सन्दर्भ ग्रन्थ – (1) भारतीय काव्य शास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी

(2) भारतीय साहित्य शास्त्र– डॉ. गणेश त्र्यंबक देशपाण्डे

(3) काव्यालंकार – भामहकृत

(4) काव्यालंकार सूत्र वृत्ति – वामनकृत

(5) साहित्यदर्पण – विश्वनाथकृत

(6) ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धनकृत

(7) काव्यप्रकाश – मम्मटकृत

चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र–संस्कृतवाङ्मय एवं आधुनिक विश्व

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई – एक : कौटिल्य अर्थशास्त्रम् 17

विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण

इकाई – दो : आर्षकाव्य रामायण एवं महाभारत की समालोचना 17

(अ) परवर्ती साहित्य पर प्रभाव

(आ) नैतिक मूल्य

(इ) पर्यावरण चिन्तन

(ई) भारतीय संस्कृति

(उ) आधुनिक युग में प्रासंगिकता

इकाई – तीन : मनुस्मृति – धर्म का लक्षण, धर्म के घटक 17

विवाह के भेद, पुत्र के प्रकार, राजधर्म,

इकाई – चार : मनुस्मृति – सृष्टि प्रकिया,संस्कार,राजव्यवस्था,उत्तराधिकार,पातक एवं वर्णाश्रम 17

इकाई – पाँच प्रमुख पुराणों का परिचय एवं महत्व 17

सन्दर्भ ग्रन्थ– (1) कौटलीय अर्थशास्त्र – सम्पादक वाचस्पति गैरोला

(2) पुराण विमर्श – बलदेव उपाध्याय
(3) महाकवि वाल्मीकि – राधावल्लभ त्रिपाठी
(4) संस्कृतवाङ्मय का इतिहास – डॉ. सूर्यकान्त
(5) मनुस्मृति – आचार्य मनुकृत

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) –विशेषकवि कालिदास

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इस प्रश्न पत्र में कालिदास ,भवभूति, इन कवियों में किसी एक कवि का अध्ययन अपेक्षित है।

1. विशेषकवि कालिदास

इकाई – एक : रघुवंशम् (पंचम एवं चतुर्दश सर्ग) 17
व्याख्या और प्रश्न
इकाई – दो : अभिज्ञानशाकुन्तलम्, 17
व्याख्या और प्रश्न
इकाई – तीन : मालविकाग्निमित्रम् 17
व्याख्या और प्रश्न
इकाई – चार : विक्रमोर्वशीयम् 17
व्याख्या और प्रश्न
इकाई – पाँच : कालिदास की समस्त कृतियों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

अथवा

2. विशेष कवि भवभूति

इकाई – एक : उत्तर रामचरितम् (1 से 4 अंक) 17
व्याख्या और प्रश्न
इकाई – दो : महावीर चरितम् (1 से 4 अंक) 17
व्याख्या और प्रश्न
इकाई – तीन : मालतीमाधवम् (1 से 4 अंक) 17
व्याख्या और प्रश्न
इकाई – चार : भवभूति के रूपकों में प्रयुक्त सूक्तियों का विश्लेषण 17
इकाई – पाँच : भवभूति की कृतियों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. उत्तररामचरितम्
2. महरावीरचरितम्
3. मालतीमाधवम्
4. भवभूति
5. संस्कृत सुकवि दर्शन
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गैरोला

अथवा

3. भारतीय ज्योतिष

इकाई–1 ज्योतिर्विज्ञान का परिचय एवं इतिहास 17
(प्रश्न अथवा टिप्पणियॉ)

इकाई–2 लघुपाराशरी (व्याख्या तथा प्रश्न) 17

इकाई–3 जातक–पारिजात अध्याय 07 राजयोगाध्याय 17
(व्याख्या तथा प्रश्न)

इकाई–4 बृहत्संहिता अध्याय 01 से 05 (वराहमिहिर) 17
(व्याख्या तथा प्रश्न)

इकाई–5 मुहूर्तचिन्तामणि (प्रारम्भ से विवाह पर्यन्त) 17
श्री राम दैवज्ञ (व्याख्या तथा प्रश्न)

अथवा

3. पुराण

इकाई–1 ''पुराण'' का कर्थ,लक्षण,वर्ण्यविषय तथा महत्व । अष्टादश पुराणों का सामान्य परिचय ।

इकाई–2 स्कन्दपुराण– 'रेवाखण्ड'– व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई–3 विष्णुपुराण– प्रथम दस अध्याय–व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई–4 श्रीमद्भागवत्पुराण का परिचय –
वर्ण्यविषय, महत्व तथा अन्य वैशिष्ट्य समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई–5 पुराणवर्णित विद्याओं और विविध कलाओं का सामान्य परिचय ।
यथा–ज्योतिष, वास्तु, कृषि, आयुर्वेद, धर्मशास्त्र, पर्यावरण आदि ।
संगीत, चित्रकला एवं अन्य कलाएँ ।

सन्दर्भसूची –

1. पुराणविमर्श–डॉ.बलदेव उपाध्याय,चौखम्बा प्रकाशन
2. स्कन्दपुराण– गीता प्रेस,गोरखपुर
3. पौराणिक धर्म एवं समाज–एस.एन.राय
4. पुराण समीक्षा– डॉ. हरिनारायण दुबे
5. श्रीमद्भागवत्पुराण–गीता प्रेस, गोरखपुर
6. विष्णुपुराण – गीता प्रेस, गोरखपुर
7. स्कन्दपुराण–जी.वी.टागरे,दिल्ली
8. इतिहास पुराण का अनुशीलन–रमाशंकर भट्टाचार्य
9. पुराणानां का व्यरूपतायाः विवेचनम्–आर.पी.वेदालंकार ।

अथवा

4. प्राकृत भाषा तथा जैन साहित्य

इकाई–1 प्राकृत भाषा का उद्भव और विकास–
'प्राकृत' शब्द की व्युप्तत्ति, प्राकृत भाषा का विकास, वैशिष्ट्य, प्रकार तथा विभिन्न प्राकृतों का परिचय ।

इकाई–2 समयसार–अध्याय प्रथम – व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3 तत्वार्थसूत्र–अध्याय प्रथम – व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–4 जैनागम तथा जैन साहित्याचार्यों का परिचय :–
अ) षट्खण्डागम, तिलोयपण्णत्ति, कार्तिकेयानुप्रेक्षा, तथा समणसुत्तम– समीक्षात्मक प्रश्न ।
आ) कुन्दकुन्दाचार्य, समन्तभद्राचार्य, आचार्य अकलंक, आचार्यउमास्वामी,हरिभद्रसूरी, आचार्य हेमन्द्र, आचार्य तुलसी, आचार्य विद्यासागर तथा गणिनी आर्यिका ज्ञानमती– समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई–5 जैनस्तोत्र (मानतुंगाचार्यकृत) कल्याणमन्दिर स्तोत्र (कुमुदचन्द्राचार्यकृत) महावीराष्टकस्तोत्र (कवि भागचन्दकृत) व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न ।

सन्दर्भग्रन्थसूची –

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास–डॉ. जगदीशचन्द्र जैन–चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
2. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
3. समयसार–आचार्य कुन्दकुन्द

(11)

4. तत्वार्थसूत्र–आचार्य उमास्वामी
5. जैनधर्म और दर्शन–मुनि प्रमाणसागर
6. जैनधर्म–पण्डित कैलाशचन्द्र ाास्त्री
7. भक्तामरस्तोत्रम्–आचार्य मानतुंग
8. कल्याणमन्दिरस्तोत्रम्–आचार्य कुमुदचन्द्र
9. महावीराष्टक स्तोत्रम्– कवि भागचन्द्र
10. जिनस्तोत्र निकृंज– श्री दिगम्बर साहित्य प्रकाशन समिति,बरेला,जबलपुर
11. वृहज्जिनवाणी संग्रह – सम्पादक– डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल ।

एम0ए0 संस्कृत

परियोजना(समसामयिक अथवा प्रयोजन मूलक)

तृतीय सेमेस्टर (पूर्व भाग) –आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक

चतुर्थ सेमेस्टर (उत्तर भाग) –बाह्य परीक्षक के सहयोग से मूल्यॉकन 50 अंक

कुल 100 अंक

तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में छात्र संस्कृत विषय में रोजगारोन्मुखी परियोजना लेंगे। वे शिक्षक के परामर्श से स्थानीय अथवा राष्ट्र ीय योजनाओं से संबंधित उपयोगी विषयों पर कार्य कर सकते है। दिशा–निर्देश की दृष्टि से अधोलिखित विषय मार्गदर्शित है।

1– समसामयिक विषय पर आधारित।
2– प्रयोजन मूलक विषय से संबद्ध।
3– पत्र पत्रिकाओं का भाषा संबंधी अध्ययन।
4– कम्प्युटर से संबंधित विषय।
5 – ज्योतिष एवं कर्मकांड से संबंधित।
6– धार्मिक विषयों से संबंधित ।
7– संस्कार विधि से संबंधित।
8– व्यावसायिक संस्थानों से संबंधित।
9– पर्यटन से संबंधित।
10– वन्य संम्पदा से संबंधित ।
11– पर्यावरण से संबंधित।

नोट–– परियोजना कार्य का मूल्यांकन प्रथम सत्र में 50 अंक के लिये होगा तथा द्वितीय में 50 अंक के लिये होगा। विद्यार्थी को परियोजना का प्रतिवेदन जमा करना होगा। साथ ही जिस संस्थान में परियोजना पर कार्य किया गया है, उसका प्रमाण पत्र भी प्रतिवेदन में संलग्न करना होगा।